

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर में भारतीय उर्वरक संघ, नई दिल्ली द्वारा उर्वरक अभिविन्यास पाठ्यक्रम का आयोजन

जोधपुर: कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के अधिनस्त कृषि महाविद्यालय, जोधपुर में उर्वरक अभिविन्यास पाठ्यक्रम का आयोजन भारतीय उर्वरक संघ, नई दिल्ली द्वारा आयोजित किया गया। इस पाठ्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. एस के सिंह, निदेशक, अटारी ने छात्रों एवं उपस्थित प्राध्यापकों को आव्हान किया कि किसानों की आय 2022 तक दोगुना करने हेतु उर्वरकों का फसलों की आवश्यकतानुसार संतुलित उपयोग करना होगा। साथ ही मृदा स्वास्थ्य कार्ड की महता को किसानों तक पहुंचाने का आव्हान भी किया। इस पाठ्यक्रम में डॉ. डी एस यादव, निदेशक, (विष्णु), भारतीय उर्वरक संघ ने उर्वरकों का उत्पादन, उपभोग एवं विष्णु तथा विशिष्ट उर्वरक इत्यादि के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस कार्यक्रम में प्रो. उम्मेद सिंह, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, जोधपुर ने उर्वरकों का संतुलित उपयोग, उर्वरक दक्षता क्षमता बढ़ाने तथा चीन एवं अन्य विकसित देशों के स्तर तक उर्वरता क्षमता उपयोग एवं गुणवत्ता स्वरूप प्रतिस्पर्धा तक पहुंचने हेतु अग्रणी स्तर के अनुसंधान की आवश्यकता पर जोर दिया। इस पाठ्यक्रम में कृषकों, नोएडा के महाप्रबंधक (विष्णु), श्री एन के भादू ने उर्वरकों द्वारा पर्यावरण प्रदुषण के बारे में मिथ्या एवं सच्चाई की जानकारी तथ्यात्मक शोध के आधार पर प्रस्तुती दी। बताया की संतुलित उर्वरक उपयोग से अपेक्षाकृत कम पर्यावरण प्रदुषण होता है। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों के लिए बहुत ही ज्ञानदायी व लाभप्रद रहा। इस पाठ्यक्रम में कृषि महाविद्यालय, जोधपुर के विद्यार्थियों सहित अध्यापकों ने भी भाग लिया। इस पाठ्यक्रम के दौरान आयोजित प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम एवं सामुहिक चर्चा के आधार पर श्री प्रदीप नागर स्नातक (कृषि) अंतिम वर्ष के विद्यार्थी को प्रथम स्थान प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में डॉ ईश्वर सिंह तथा डॉ दमा राम ने भी अपने विचार रखें तथा कार्यक्रम का संचालन किया। ज्ञातव्य हो कि इस तरह के कार्यक्रम भारत के चूनिंदा कृषि विश्वविद्यालयों में ही आयोजित किया जाता है।

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर
Agriculture University, Jodhpur





कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर
Agriculture University, Jodhpur

